

# जय दादी सती माता दादी सती आरती आंवल धाम

दादीसती आरती आंवल धाम

जय दादी सती माता.. जय दादी सती माता  
आंवल की महाराणी, सब सुख की दाता.. जय

ज्योत अखंडित तेरी, दिव्य प्रकाश करे  
रोग शोक भय विपदा, पल में नाश करे.. जय

लाल चुनड़ीयाँ सोहे, मेहंदी हाथ रचे  
चूड़ो बोरलो नथली, छत्तर भेंट चढ़े.. जय

भादीमावस तेरे दरपे, मेळा जोर भरे  
दादी सती सलौना, सबकी आस पुरे.. जय

नारियल खीर चुरमा, पुड़ा भोग चढ़े  
सेवक-जन मैया की, जय जयकार करे.. जय

गर्ग गोत्र का मैया, तू उद्धार करी  
गावलिए कहलाये, तुमने कृपा करी.. जय

भाव भती श्रद्धा से, जो तेरे दर आता  
भाग्य उदय हो जाता, मनवांछितफल पाता..

तेज त्रिशूल में ऐसा, ज्यूं सूरज चमके  
अटल सिंहासन बैठी, महाराणी सजके.. जय

सिंह सवारिणी मैया, भगतोंके घर आती  
भूल चूक भगतों की, अम्बरीष बिसराती.. जय

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33957/title/jai-dadi-sati-mata-dadi-sati-aarti-anwal-dham>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |